UP News

Date:29.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2026 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है।क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है।इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया।कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।क्विज़ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Buland Sandesh

Date:29.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

मुरादनगर (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों

के माध्यम से फैलते है।

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया।कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।क्विज़ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Chamakta Gaun

Date:29.07.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

Sign: ___________ ___________________

Dental Library **Director- Principal**

गाजियाबाद।वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है।क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है।इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Amar Ujala

Page No.04(My City) Date:30.07.2026

हेपेटाइटिस के प्रति लोगों को किया जागरूक

मुरादनगर। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आईटीएस डेंटल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक, पोस्टर और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना था। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार—ए, बी, सी, डी और ई होते हैं। कार्यक्रम का आयोजन चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में किया गया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवाद

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी। स्रोतः संस्थान

Sign: ____________ **Dental Library**

______________________ **Director- Principal**

Dainik Jagran

Date:30.07.2026

नुक्कड नाटक से बीमारी के कारण व लक्षण बताए

संस, जागरण • मुरादनगर: दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आइटीएस डेंटल कालेज में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता अभियान चला। इसमें कालेज के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक समेत अन्य गतिविधियां कीं। माइक्रोबायोलाजी विभाग की डा.ममता शर्मा के नेतृत्व में छात्रों ने नुक्कड़ नाटक से बीमारी के कारण, प्रकार, लक्षण व बचाव की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छात्रों के लिए एक क्विज भी हुई। इसमें छात्रों से रोग से जुड़े प्रश्न पूछे गए। निर्णायक टीम ने प्राप्त अंकों के आधार पर छात्रों को विजेता घोषित किया।

कार्यक्रम के दौरान आइटीएस के स्टाफ के सदस्य और छात्र- छात्राएं • सौ. पाठक

Sign: ________ ________________

Dental Library Director- Principal

Hind Atma Samvaddata

Date:30.07.2026

आईटीएस डेंटल में मनाया गया विश्व हैपेटाइटिस दिवस

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 29 जुलाई 2026 को नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और क्विज जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम के साथ-साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना था। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते हैं - ए, बी, सी, डी और ई। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे खतरनाक हैं क्योंकि लगभग 57% लिवर सिरोसिस और 78% लिवर कैंसर इन्हीं वायरसों से होते हैं। इसके शुरूआती लक्षणों में हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना, उल्टी और पीलिया शामिल हैं। बताया गया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलते हैं, जबकि बी, सी और डी रक्त और शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। साथ ही स्वच्छ चिकित्सा उपकरणों, डिस्पोजेबल सिरिंज और सुरक्षित ब्लड बैंक का उपयोग जरूरी है। कार्यक्रम आई.टी.एस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ ने उत्साह से भाग लिया। अंत में सभी ने डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Aditya Vibhore

Date:30.07.2026

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में जागरूकता की अलख

आदित्य विभोर

गाजियाबाद। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन को हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम को बढ़ावा देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल हेपेटाइटिस रणनीति में सहयोग करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन आई.टी.एस. द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस पांच प्रकार–ए, बी, सी, डी और ई–के होते हैं। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे अधिक घातक हैं, जो लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर के प्रमुख कारण बनते हैं। बीमारी के शुरूआती लक्षणों में हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना, उल्टी की भावना और पीलिया शामिल हैं। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन एवं पानी से फैलते हैं, जबकि बी, सी और डी संक्रमित रक्त तथा अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से फैलते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इसके साथ ही सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की व्यवस्था भी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख में हुआ। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों ने चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा तथा डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Hindustan Hindi

Page No.02(Gzb)) Date:30.07.2026

कालेज में जागरुकता अभियान चलाया गया

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कालेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरुकता अभियान चलाया। अभियान के तहत कालेज के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक व दूसरे पर प्रकार गतिविधियां की।

कालेज के माइक्रोबायोलोजी विभाग के तत्वाधान में आयोजित अभियान में विभाग के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। माइक्रोबायोलाजी विभाग डा ममता शर्मा के नेतृत्व में छात्रो ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के छात्रों ने कथा के माध्यम से बीमारी के कारण और बचाव के बारे में बताया।

Sign: __________ ________________

Dental Library **Director- Principal**

Janvani Samvaddata

Date:30.7.2026

आईटीएस में मनाया विश्व हैपेटाइटिस दिवस

● जनवाणी संवाददाता, मुरादनगर

वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेजमें माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें लोगों को गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढाकी मौजूदगी में विशेषज्ञों की ओर से जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Sign: ____________ **Dental Library** ____________ **Director- Principal**

Rojana Times

Date:30.7.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

दैनिक रोजाना टाइम्स-मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे

प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Buland Sandesh

Date:30.7.2026

आयोजन वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Sign: ______________ ______________________

Dental Library Director- Principal

Uday Bhoomi Samvaddata

Date:30.7.2026

हेपेटाइटिस के खिलाफ जागरूकता की मुहिम... आईटीएस डेंटल कॉलेज में नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता से दिया स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों से किया जागरूक, विशेषज्ञों ने बताए बचाव और टीकाकरण के प्रभावी उपाय

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में बुधवार को स्वास्थ्य जागरूकता पर आधारित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना तथा राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक रणनीति को सहयोग प्रदान करना रहा।
यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन और प्रेरणा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समय रहते जागरूकता और सावधानी अपनाकर हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव है।
कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस मुख्य रूप से पांच प्रकार-ए, बी, सी, डी और ई-के होते हैं। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे अधिक खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर के अधिकांश मामलों का संबंध इन्हीं वायरसों से होता है। विशेषज्ञों ने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख कम लगना, मतली, उल्टी की शिकायत तथा पीलिया जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यदि समय रहते जांच और उपचार न कराया जाए तो यह बीमारी गंभीर रूप धारण कर सकती है। विशेषज्ञों ने

- हेपेटाइटिस बी और सी को बताया सबसे घातक, समय पर जांच, सुरक्षित रक्त और टीकाकरण पर दिया विशेष जोर
- आईटीएस डेंटल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित, स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभाने का लिया संकल्प

यह भी बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई प्रायः दूषित भोजन और दूषित पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी, सी और डी संक्रमित रक्त तथा अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से फैलते हैं। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी और सुरक्षित उपाय है। इसके साथ ही सुरक्षित रक्त चढ़ाने की व्यवस्था, डिस्पोजेबल सिरिंज का उपयोग, स्वच्छ चिकित्सा उपकरण तथा संक्रमण नियंत्रण के मानकों का पालन करना भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का प्रभावशाली संदेश दिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने हेपेटाइटिस के कारण, लक्षण, बचाव और समय पर उपचार के महत्व को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। क्विज एवं अन्य प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ. ममता शर्मा एवं डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे। निर्णायकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा तथा संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में यह संकल्प लिया गया कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक लगातार पहुंचाई जाएगी, ताकि हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को समय रहते सचेत किया जा सके और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

Sign: ____________ ____________

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar Samvaddata

Date:30.7.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय सुनहरा संसार वन्दना जोशी संवादाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2026 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ________________

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date:30.7.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का किया आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया।

कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala Samvaddata

Date:30.7.2026

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2026 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ __________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date:30.7.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा बुधवार को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा।

यह कार्यक्रम आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samvaddata

Date:30.7.2026

नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता से हेपेटाइटिस के प्रति किया जागरूक

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर छात्रों को बचाव

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन को हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से बचाव, समय पर जांच और टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ग्लोबल हेपेटाइटिस रणनीति के तहत लोगों में बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम आईटीएसझ्द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार–ए, बी, सी, डी और ई होते हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी और सी सबसे अधिक घातक हैं, जो लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर के प्रमुख कारण बनते हैं। उन्होंने बताया कि हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख कम लगना, उल्टी की शिकायत और पीलिया इसके शुरूआती लक्षण हो सकते हैं। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि हेपेटाइटिस-ए और ई दूषित भोजन एवं पानी से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस-बी, सी और डी संक्रमित रक्त तथा अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क से फैलते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि हेपेटाइटिस-बी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इसके साथ ही सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और प्रमाणित ब्लड बैंक की सेवाएं अपनाने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा के निर्देशन में किया गया। क्विज प्रतियोगिता में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा ने निर्णायक की भूमिका निभाई और विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में प्रतिभागियों ने चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा तथा संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Social Media Times

Date:30.7.2026

आईटीएस में किया गया विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

सोशल मीडिया टाइम्स

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा।

यह कार्यक्रम आई.टी.एस. - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

प्रेमी के साथ मिलकर पति को कार से कुचलने की कोशिश नाकाम

मुरादनगर। थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक ने अपनी पत्नी पर प्रेमी साथ मिलकर उसे कार कुचलने के प्रयास का आरोप लगाया। इस मुद्दे पर पति-पत्नी के बीच थाने में हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ। पीड़ित ने इस संबंध में पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस

आती एक कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक बाइक समेत सड़क किनारे जा गिरा, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई। युवक उठकर देखा कि टक्कर मारने वाली कार में उसकी पत्नी अपने प्रेमी और अन्य लोगों के साथ बैठी थी। युवक ने दोनों को बुरा-भला कहा तो उन्होंने

Sign: ____________ ____________________

Dental Library Director- Principal

Loktantra Vani Samvaddata

Date:30.7.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा 29 जुलाई, 2026 को नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन को जागरूक करना, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम को सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक हेपेटाइटिस रणनीति को बढ़ावा देना रहा।

यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार होते हैं–हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी सबसे अधिक गंभीर हैं। लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस तथा 78 प्रतिशत लिवर कैंसर के मामले इन दोनों प्रकार के वायरस के कारण होते हैं। इस बीमारी के शुरूआती लक्षणों में हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना, उल्टी जैसा महसूस होना और पीलिया शामिल हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन तथा पानी से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी, सी और डी संक्रमित रक्त एवं अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते हैं। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। इसके साथ ही स्वच्छ एवं सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, एक बार उपयोग होने वाली सिरिंज तथा आधुनिक रक्त बैंक की सुविधाएं भी आवश्यक हैं। कार्यक्रम का संचालन सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की फैकल्टी डॉ. ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। इसमें कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ. उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ. ममता शर्मा और डॉ. याचना अरोड़ा शामिल रहे। उन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की सफलता पर प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा तथा संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के प्रति आभार व्यक्त किया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date:30.7.2026

आईटीएस में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग देना रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस. – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

Date:30.7.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस पर नुक्कड़ नाटक पोस्टर कॉम्पीटीशन का आयोजन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर।वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने किया।कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है।हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Sign: ____________ **Dental Library** ____________________ **Director- Principal**

Vartman Satta

Date:30.7.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस का आयोजन

वर्तमान सत्ता

गाजियाबाद। वर्ल्ड हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आई.टी.एस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2026 को नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना और नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम में सहयोग देना तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) ग्लोबल हैपेटाइटिस स्ट्रेटेजी में सहयोग दे रहा। यह कार्यक्रम आई.टी.एस.–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए बी सी डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है।

विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है, साथ ही स्वच्छ और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणों का उपयोग, डिस्पोजेबल सिरिंज और आधुनिक ब्लड बैंक की सुविधा भी बेहद आवश्यक है।

इस कार्यक्रम का संचालन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्विज़ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ सर्वजीत सिंह अरोड़ा, डॉ उमेश कुमार दीक्षित, डॉ. करूणा चौधरी, डॉ ममता शर्मा और डॉ याचना अरोड़ा शामिल रहे, जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस सफल कार्यक्रम के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस.–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा एवं संस्थान के डायरेक्टर– प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Yug Karvat

Date:30.7.2026

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व हैपेटाइटिस दिवस मनाया

गाजियाबाद (युग करवट)। विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर कॉम्पीटीशन आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जानकारी दी गयी कि हेपेटाइटिस वायरस के 5 प्रकार होते है, जिनमें हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई, इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी सबसे ज्यादा खतरनाक है। क्योंकि लगभग 57 प्रतिशत लिवर सिरोसिस और 78 प्रतिशत लिवर कैंसर इन दोनों प्रकार के वायरस से होते है। इस बीमारी में पहले हल्का बुखार, पेट दर्द, भूख न लगना उल्टी का मन करना और पीलिया हो जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी से फैलता है, जबकि बी, सी और डी प्रकार रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैलते है। कार्यक्रम का संचालन ममता शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में सर्वजीत सिंह अरोड़ा,उमेश कुमार दीक्षित, करूणा चौधरी, ममता शर्मा और याचना अरोड़ा शामिल रहे।

Sign: ___________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**